University in News on 01 March 2021

JAGRAN CITY PAGE III

मूट कोर्ट में 13 को गोल्ड मेडल

मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में बाजी मारने वाली टीम को मेडल देकर न्यायाधीशों ने किया सम्मानित • डी. लविवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में 13 छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी। सभी को गोल्ड मेडल दिए गए। प्रतिभाग करने वाली छात्राओं में प्रज्ञा कुमारी शुक्ला को दो गोल्ड मेडल मिले। सभी छात्र-छात्राओं को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश कौशल जयेंद्र ठाकर, राजेश सिंह चौहान, शमीम अहमद ने सम्मानित कर उन्हें मेडल दिया।

विधि की विधि संकाय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रो. केके श्रीवास्तव मेमोरियल इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का रविवार को समापन भी हो गया। अंतिम दिन सेमीफाइनल में सभी चार टीमों का प्रदर्शन देखने योग्य था। जिसमें दो टीमों का चयन फाइनल के लिए हुआ। प्रतिभागियों ने कोर्ट रूम में अपनी बौद्धिक दक्षता से तर्क प्रस्तुत कर न्यायाधीशों और निर्णायक मंडल का ध्यान अपनी ओर केंद्रित किया। इस दौरान विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन डा. सीपी सिंह, विनीता काचर और महिंद्र श्रीवास्तव व संदीप कुमार सिंह (प्रोजेक्ट मैनेजर यूपी आरएनएन लिमिटेड), समीर माथुर जनरल मैनेजर यूपीआरएनएन लिमिटेड), क्षेत्रीय विधायक डा. नीरज बोरा, डा. ललित किशोर श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसर मौजूद रहे। विजेता टीम के प्रतिभागी श्रेया मौर्या एवं आध्या पांडेय, आशुतोष वर्मा उपविजेता टीम के प्रतिभागी अंकित बाजपेई, उत्कर्ष कुमार गुप्ता एवं वैभव जयसवाल रहे। बेस्ट शोधकर्ता नीरज शर्मा एवं नैना सिंह, सबसे अच्छे वक्ता सौरभ सिंह एवं आध्या पांडेय रही। सबसे अच्छा मेमोरियल प्रदर्शन उत्कर्ष कुमार गुप्ता का रहा। न्यायमूर्ति कौशल जयेंद्र ठाकर ने बताया कि बच्चे किताबों का अध्ययन कर अधिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। अंत में निशांत वीर सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति ने की छात्रों की सराहना, दिए मेडल
- प्रो. केके श्रीवास्तव मेमोरियल इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता संपन्न

इनके प्रदर्शन पर सराहना हुई, मिला गोल्ड मेडल

दीक्षा राय, ईशा अस्थाना, कविता गौतम, प्रगति श्रीवास्तव, प्रज्ञा कुमारी शुक्ला, प्रियंवदा शुक्ला, राघव मिश्रा, शैलजा, शिवांशि मिश्रा, श्री गुप्ता, शुभम दीक्षित, स्वाति निगम, विभान्तिका द्विवेदी।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में विजयी टीम को 25 हजार का इनाम : डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि द्वारा आयोजित तीसरे ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मीडिया लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी स्कूल आफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआइपीयू को रविवार को विजेता घोषित किया गया। विधि विवि की प्रवक्ता अलका सिंह ने बताया कि विजेता टीम को 25 हजार रुपये एवं आनलाइन वेब संस्करण पब्लिशिंग कार्ड के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के मामलों में एक साल की सदस्यता दी गई है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन सेमीफाइनल में पहुंचे सिम्बायोसिस लॉ स्कूल नोएडा, सिम्बायोसिस लॉ स्कूल हैदराबाद, यूनिवर्सिटी स्कूल आफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआइपीयू, राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी आफ लॉ के दलों के मध्य जोरदार बहस का दौर देखा गया। उन्होंने बताया कि फाइनल दौर की अध्यक्षता न्यायमूर्ति प्रतीक जालान, दिल्ली उच्च न्यायालय, विक्रमजीत बनर्जी अतिरिक्त महाधिवक्ता, सिद्धार्थ भटनागर वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय, आकाश प्रसाद महाधिवक्ता प्रयागराज हाईकोर्ट की खंडपीठ, मुरली नीलकंठन एमिकस में प्रधान वकील द्वारा की गई।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में एलएलबी के 12 मेधावियों को मिले 23 गोल्ड मेडल

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

लखनऊ विवि में एलएलबी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को रविवार को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। कुल 12 छात्र छात्राओं को 23 गोल्ड मेडल दिए गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विधि के 13 छात्र छात्राओं को मेडल नहीं मिल पाया था। इन्हें बाद में मेडल दिए जाने का निर्णय लिया गया था। रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के समापन के साथ ही इन मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल दिया गया। कुल 13 छात्र छात्राओं में से 12 को मेडल प्रदान किया गया। एक छात्रा प्रज्ञा कुमारी शुक्ला मेडल लेने के लिए मौजूद नहीं थी।

एलएलबी में भी छात्राओं ने अपना परचम लहराया है। लखनऊ विश्वविद्यालय व सम्बद्ध कालेजों के जिन 13 छात्र-छात्राओं को मेडल के लिए चयनित किया गया उसमें से 10 छात्राएं हैं। इन 10 छात्राओं ने विश्वविद्यालय के 20 मेडल पर कब्जा जमाया है। जबकि तीन छात्रों को पांच मेडल मिले हैं। दीक्षा राय को एक, ईशा अस्थाना को दो, कविता गौतम को एक, प्रगति श्रीवास्तव को आठ, प्रज्ञा कुमारी शुक्ला अनुपस्थित रही, प्रियंवदा शुक्ला, स्वाति निगम विभान्तिका, राघव मिश्रा तथा शैलजा को एक-एक, शिवांशी मिश्रा, श्रीगुप्ता तथा शुभम दीक्षित को दो दो मेडल मिले हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को गोल्ड मेडल से सम्मानित मेधावी।

जज बनना चाहते हैं मेधावी

ईशा अस्थाना को दो मेडल मिले हैं। केकेसी की ईशा ने कहा कि वह बच्चों तथा बेजुबान जानवरों के लिए काम करेंगी। साथ ही पीसीएस जे की तैयारी भी करेंगी।

प्रगति श्रीवास्तव को कुल आठ मेडल मिले हैं। वह भी जज बनना चाहती हैं। वह कहती हैं कि उन्होंने अभी से ही पीसीएसजे की तैयारी शुरू कर दी है।

मूटकोर्ट प्रतियोगिता में श्रेया आध्या, आशुतोष ने बाजी मारी

लखनऊ। एलयू स्थित विधि संकाय में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में श्रेया मौर्या, आध्या पांडेय तथा आशुतोष वर्मा ने बाजी मारी। फाइनल प्रतियोगिता इलाहाबाद हाईकोर्ट के माननीय न्यायमूर्ति कौशल जयेंद्र ठाकर, राजेश सिंह चौहान, शमीम अहमद निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे। कोर्ट प्रक्रिया के दौरान प्रतिभागियों को कोर्ट रूम प्रक्रिया के बारे में बताया। कोर्ट रूम प्रक्रिया में अपनी सूझबूझ तर्क प्रस्तुत करने की सलाह दी। मूट कोर्ट की विजेता श्रेया मौर्या, आध्या पांडेय तथा आशुतोष वर्मा रहे। उपविजेता टीम में अंकित, उत्कर्ष एवं वैभव रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मूट कोर्ट में श्रेया, आद्या व आशुतोष ने बाजी मारी

लखनऊ। लविवि की मूट कोर्ट एसोसिएशन की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रोफेसर केके श्रीवास्तव मेमोरियल इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट का रविवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में श्रेया मौर्या, आद्या पांडे और आशुतोष वर्मा की टीम विजयी रही। अंकित बाजपेई, उत्कर्ष कुमार गुप्ता एवं वैभव जयसवाल प्रतियोगिता के उपविजेता रहे। इसके साथ ही सबसे अच्छा शोधकर्ता नीरज शर्मा एवं नैना सिंह, सबसे अच्छे वक्ता सौरभ सिंह एवं आद्या पांडे रहीं। सबसे अच्छा मेमोरियल प्रदर्शन उत्कर्ष कुमार गुप्ता का रहा। फाइनल प्रतियोगिता में इलाहाबाद हाईकोर्ट के माननीय न्यायमूर्ति कौशल जयेंद्र ठाकर, राजेश सिंह चौहान, शमीम अहमद के निर्णय मंडल के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर विधि संकाय के डीन डॉ. सीपी सिंह के साथ ही विनीता काचर, महेंद्र श्रीवास्तव, संदीप कुमार सिंह, समीर माथुर और विधायक डॉक्टर नीरज बोरा उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 5

कोर्ट रूम की प्रक्रिया को ठीक से समझें

LUCKNOW (28 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थित विधि संकाय में मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रो. केके श्रीवास्तव मेमोरियल इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट का रविवार को समापन हो गया. अंतिम दिन फाइनल प्रतियोगिता में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कौशल जयेंद्र ठाकर, राजेश सिंह चौहान, शमीम अहमद निर्णायक मंडल टीम में उपस्थित रहे. इस दौरान प्रतिभागियों को कोर्ट रूम प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने अपनी सूझबूझ तर्क प्रस्तुत करने की सलाह दी. इस मौके पर विधि संकाय के डीन डॉ. सीपी सिंह, विनीता काचर और मर्डिंद्र श्रीवास्तव व संदीप कुमार सिंह प्रोजेक्ट मैनेजर (यूपीआरएनएन लिमिटेड), समीर माथुर जीएम, यूपीआरएनएन, क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, डॉ. ललित किशोर श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के कई प्रोफ़ेसर मौजूद रहे.

प्रतिभागियों को कोर्ट रूम की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया.

THE PIONEER PAGE 3

LU alumni go down memory lane

Lucknow (PNS): Lucknow University witnessed the reunion of its alumni on Saturday night in the historic Arts Quadrangle. Vice-Chancellor Prof AK Rai and director of Lucknow University Alumni Association Prof Nishi Pandey, along with dean of academics and director of Sanskritiki Prof Rakesh Chandra welcomed Deputy Chief Minister Dinesh Sharma (chief guest) and the alumni of the university.

Sharma fondly remembered the conversations in canteens, banter during election campaigns and the friendships he made during his student life. The alumni meet was organised by former students Pramod Tiwari, Dayashankar Singh, Mukesh Shukla, Anil Singh 'Veeru', Sharaf Abbas, Pawan Upadhyay and Gyanendra Shukla 'Gyanu'. Three very special people were also honoured on the occasion. Former head of the department of Social Work Prof AN Singh was felicitated for his special contribution to the holistic development of students throughout his life.

Janak Dulari, popularly known as Basanti Chachi, was also honoured for her lifelong services to the university and love to the students. Janak Dulari, who used to run the canteen in front of the LBS Hall, was felicitated with a commemorative plaque and a shawl. DK Pant was also to be honoured, but he was not present on the occasion due to personal reasons.

The students presented songs, dances, poetry and recitations in the cultural evening. Alumnus Akhand Shahi and his team released a special documentary, honouring the university's prestigious past and hoping for a glorious future.

DAINIK JAGRAN PAGE 1

'रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी एक फिंगर प्रिंट अध्ययन'

जासं, लखनऊ : रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी एक फिंगर प्रिंट अध्ययन है और यह न केवल अणु के अंदर झांक सकता है, बल्कि कई चीजें स्पष्ट रूप से बता सकता है। यह बात रविवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर लविवि के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित आनलाइन व्याख्यान समारोह में बनारस हिंदू विवि के प्रो. अंचल श्रीवास्तव और नवीना वाधवानी ने कही। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण और विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अब कम समय में ज्यादा असर करेंगी दवाएं

पुलक त्रिपाठी • लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्वीडन की लुलिया यूनिवर्सिटी और यूके की यूनिवर्सिटी आफ ब्रैडफोर्ड के साथ मिलकर किया शोध

इमरजेंसी और ट्रॉमा के मामले में गंभीर मरीजों की जान बचाने के लिए समय बेहद मायने रखता है। कई बार दवा के तुरंत असर न करने से मरीज की जान खतरे में पड़ जाती है। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और उनकी टीम ने एक ऐसा फार्मूला तैयार किया है, जिससे दवाएं बहुत कम समय में घुलनशील हो जाएंगी। विशेषज्ञों के अनुसार किसी मरीज के शरीर में दवा जितनी जल्दी घुलनशील होगी, असर भी उतनी ही जल्द करेगी। आपातकाल में त्वरित चिकित्सा मुहैया कराने के लिए इस शोध को क्रांतिकारी माना जा रहा है।

कई दवाओं पर किया गया शोध

शोध में कई दवाओं पर काम किया गया। इसमें दर्द निवारक और बुखार कम करने के लिए पैरासिटामॉल, मूत्र पथ के जीवाणु संक्रमण के उपचार में काम आने वाली नाइट्रोफुरंटिन, विटामिन बी-3, निकोटिनमाइड व ब्लड में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने पर इलाज में उपयोगी फेबक्सोस्टेट आदि शामिल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन के रिसर्च ग्रुप, स्वीडन की लुलिया यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी के डा. मनीष कुमार शिंपी और यूके की यूनिवर्सिटी आफ ब्रैडफोर्ड के प्रो. वेनु बंगला के संयुक्त शोध में यह सफलता मिली है।

बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड : प्रो. पूनम टंडन के साथ इस रिसर्च में लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग की शोध छात्राएं अनुभा श्रीवास्तव, कर्निका श्रीवास्तव, इरम खान, जया पांडेय, प्रीति प्रजापति, अनुराधा शुक्ला तथा प्रिया वर्मा भी शामिल रहीं। इस शोध को बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

"फार्मास्यूटिकल इन्ग्रेडिएंट्स में नॉन टॉक्सिक को-फॉर्मर मिलाने पर को-क्रिस्टल तैयार होता है। को-फार्मर का काम दवा की संरचना में परिवर्तन लाना है। पैरासिटामॉल में एमिनो एसिड को को-फार्मर के रूप में एड किया गया है। अच्छी बात यह है कि अधिक घुलनशीलता वाली इस दवा के लिए किसी मेडिसिनल ट्रायल की जरूरत नहीं है। हमारे विदेशी सहयोगी संस्थान से विश्व की फार्मास्यूटिकल कंपनियां संपर्क में हैं।

– प्रो पूनम टंडन, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान, लखनऊ विश्वविद्यालय